



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

विसाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—पात्र 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

द. १३]  
No. १३]

नई दिल्ली, गुरुवार, अप्रैल २५, १९८६/वृश्चिक ५, १९०४  
NEW DELHI, FRIDAY, APRIL 25, 1986/VASIKHA 5, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या ही जाती है जिससे कि यह अलग संकाय के कप वा  
रक ना सच्चे।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation.

धर्मज्ञय संत्रालय

भाषात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं ७०-प्राई डी.पी.एन./८५—४४

नई दिल्ली, २५ अप्रैल, १९८६

विषय:— ओला उर्वरक वंयंव परियोजना के लिए १०.५ विलियन देने के लिए केंद्रित के संबंध उपकरण और सेवाओं के आयात के लिए लाइसेंस जारी।

काइल स. आई. पी. सी./२३(२६)/८५-४४:— उर्वरक कूवक उर्वरक साहकारिता लि. (एफ्सी) की ओला उर्वरक वंयंव परियोजना का आयात आवश्यकताओं को विस्तृप्ति करने के लिए आयात की विदेशी प्राथिक व्युत्पोग निधि द्वारा स्थीकृत १०.५ विलियन देने के लिए संबंधित लाइसेंस आई करने की नियमित करने वाली जरूर जो इस सार्वजनिक सूचना के परिणाम में भी गई है आवकासी के लिए प्रधिसूचित की जाती है।

राजीव गोप्ता प्रिंटर, मरम निर्देशक आयात नियंत्रि

प्रिशिक्षण

आयात की विदेशी प्राथिक व्युत्पोग निधि (आई सो एफ) द्वारा विस्तृप्ति सार्वजनिक कूवक उर्वरक लि. (एफ्सी) के ओला उर्वरक वंयंव परियोजना को

कायान्वयन के लिए १०.५ विलियन देने (प्राई डी.पी.एन.) के देने के लिए इसके संबंधित व्युत्पोग और सेवाओं के आयात के लिए लाइसेंस जारी।

प्रणा—१ ग्राम पर नाम

(1) इसका कोई भी एत एल ए उर्वरक परियोजना की आयात आवश्यकताओं के लिए आयात विदेशी प्राथिक व्युत्पोग निधि (आई सी एफ) द्वारा विस्तृप्ति १०.५ विलियन देने के लिए केंद्रित भारत सहित आयात प्रोटोकॉल संबंधित देशों के लिए रखा गया है। बदलुसार इस केंद्रित के संबंधित व्युत्पोग निधि की जाने वाली व्युत्पोग और सेवाएं आयात प्रोटोकॉल १०.५ सूची में उल्लिखित (भारत राफिल) मनोदेशों से आयात की जा सकती है। ये देश इस व्युत्पोग के बंतव्यम पाल भोत देश होते हैं।

(2) ओला उर्वरक वंयंव परियोजना की आयात आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए १२५ करोड़ रुपए की आवश्यकता आयात व्युत्पोग सं. आई/सी जी/२०४१४४० दिनांक २४-१०-८५ इसकी को पहले ही जारी कर दिया गया है। आयात लाइसेंस २३-१०-१९८७ तक वैध है।

(3) यह कोई दागे समय वृद्धि/नया आयात लाइसेंस जारी करने के लिए प्रयुक्ती है तो वह प्राथिक कार्य विभाग (आयात व्युत्पोग) को सेवा जारी कराए।

(4) इस केंद्रित के संबंधित व्युत्पोग की जाने वाले आयात लाइसेंस के साथ सलग माल और सेवाओं की देसी सूची तक सीमित है जो लाइसेंस प्राथिकरितों द्वारा विभिन्न व्यापारिक द्वारा

(5) आयात लाइसेंस के मुद्रित विदेशी गुप्ता का कोई प्रेषण अनुमति नहीं किया जाएगा। भारतीय अधिकारी के कर्मीण का कोई भी भूगतान भारत में अधिकारी को भारतीय रूपए में किया जाना चाहिए, तथापि, ऐसा भूगतान लाइसेंस मूल्य के माग के रूप में होगा और इसके लाइसेंस के बचे में डाला जाएगा।

(6) पक्के आवेदन अनुबंध-1 में उल्लिखित देशों में स्वापित विदेशी सम्परकों को जहाज पर्यन्त निशुल्क/जागत और जाड़ा पर दिए जाने चाहिए और आधिकारिक कार्य विभाग (आयात अनुसारग) को भेजे जाने चाहिए। 'पक्के आवेशों' का अर्थ है वह कार्य आवेदन जो भारतीय लाइसेंसधारी द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित विदेशी सम्परकों को दिए जाते हैं या ऐसा कार्य संविदा जो भारतीय आवारुक और विदेशी संसदीय द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित हैं। विदेशी सम्परकों के भारतीय अधिकारी पैर छोड़ना भारीया ऐसे भारतीय अधिकारी पर पृष्ठ आदेश स्वीकार्य नहीं है।

(7) आयात लाइसेंस की समाप्ति से जारी महीने के मीठेर तभी भूगतान अवधार पूर्ण कर देने चाहिए। माल के पोतलदान पर भलग-अलग भूगतानों की अवधार होनी चाहिए। ठेके में नक्कर आधार पर अन्यान्य पोतलदान दस्तावेजों से प्रस्तुत करने पर भूगतान की अवधार होनी चाहिए। विदेशी संभरक से भारतीय आयातक को किसी भी किसी की अशुद्ध सुधिधा उपयोग करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। माल के वितरण की अवधिकारी के लिए ठेके में निम्नलिखित अनुसार अवधार दिया जाएगा:—

'सावधान की प्राप्ति के बाद ..... भूमीने पर अलू अधिक से अधिक के ग्रन्त तक पूर्ण किया जाना है।'

पोतलदान के लिए आवधिकी नियम निश्चित करने में इन बात का ध्यान रखना चाहिए कि वह तिथि 31-12-88 के बाद की न हो।

अनुबंध-2 सम्बरण ठेके का समझौता करते समय ध्यान में रखे जाने वाले नुक्ते

(1) ठेके का जहाज पर्यन्त निशुल्क लागत तथा आज्ञा मूल्य येन में (येन की नियन के लिए) अधिक्षित होना चाहिए और इसमें भारतीय अधिकारी का कर्मीण यदि कार्य हो तो वह आमत नहीं होना चाहिए जो कि भारतीय रूपए में छुकाना चाहिए।

भारतीय रूपए या किसी दूसरी मूला में ठेके का मूल्य किसी भी परिविति में अधिक्षित नहीं होना चाहिए। कार्य अंतार और संभरक द्वारा पृष्ठिकरण आवेदन के बाहरी भौतिकी में होना चाहिए।

(2) अशुद्ध की धनराशि में से विसरणात्मक की जानी वाली सभी माल और सेवाओं की अधिकारित निम्नलिखित परिपुरक निर्धारणों के सहित अशुद्ध के धनराशि अधिकारित के मार्ग-दर्शनों के अनुसार की जाएगी।

(क) यदि किसी मामले में माल और सेवाओं का अकालीन 300 मिलियन रुपए से कम नहीं है तो:—

(1) यदि यह प्रस्तावित किया जाता है कि अधिकारित तरीके के अनुमोदन के लिए भ्रोई से एक को आवेदन भेजने के लिए एक घट्ट घट्ट के महित अपाराधिक खुली अंतरराष्ट्रीय निविदा से प्रिय अधिकारित प्रक्रिया का विकल्प लिया जाता है तो भ्रोई से एक से पूर्ण अनुमोदन प्राप्त करना पड़ेगा।

(2) सफल बोलीकारी को निर्णय की सूचना देने से पहले योनी मूल्यांकन रिपोर्ट के भाग निर्णय के अनुमोदन के लिए आवेदन पूर्व भ्रोई से एक को अनुमोदन के लिए उपस्थित आवेदन-पत्र के साथ पूर्ण अंतराल की मूल्यांकन रिपोर्ट, बोलीकारों को नोटिस और अनुदेश, योनी प्रवत, प्रस्तावित संविदा, बोली से संबंधित विशिष्टिकरण और द्रावण और अन्य वस्तावेज भी भ्रोई से एक को उसकी पुनरीक्षा के लिए प्रस्तुत किए जाएंगे।

(ब) 300 मिलियन रुपए से कम आवेदन किए जाने वाली मूल्य की माल और सेवाओं की अधिकारित नियन में भ्रोई से एक का पूर्व अनुमोदन संविदा का निर्णय देने के लिए इस पार्ट पर जल्दी नहीं है कि निविदा के द्वे रुपांतर यूक्त संगत बाटा गया है। लेकिन यदि भ्रोई से एक निविदा मूल्यांकन रिपोर्ट आपके के लिए अनुरोध करता है तो उसे भ्रोई से एक को उपकी पुनरीक्षा के लिए भेजा जाएगा।

(ग) उपर्युक्त (क) (1) क (2) और (ब) में उल्लिखित आवेदन-पत्र/वस्तावेज आयातक आधिकारिक कार्य विभाग को यों प्रतियोगी में भ्रोई से एक का भेजने के लिए भेजे जाएंगे।

(घ) किसी भी मिशन के लिए यों एक येन से कम का ही संविदा जापानी येन में ही नियत एवं देव होगी।

(इ) बोली वस्तावेज में कौन-कौन से पात्र स्वीकृत देव हैं उन्हें दर्शाया जाएगा।

(उ) बोलियों के मूल्यांकन में किसी भी बोलीकार को बरीमता की गुजाइश नहीं दी जाएगी।

(२) विदेशी संभरक को भूगतान, उनके नाम में भारतीय बैंक, ट्रोकियों द्वारा 1985-86 के लिए भ्रोई, ई.सी.एफ.येन कैटिड (पर्योजना सहायता) म. आई.डी.पी.-35 के प्रधीन खोले गए अपरिवर्तनीय साक्षात्कार के माध्यम से किया जाना चाहिए। जिसका अंतरा योने खण्ड-6 में दिया गया है।

#### 2(4) संभरक की पावना

संभरक पात्र योनों के रास्तिक होंगे या पात्र स्वीकृत देशों में आमिल किए गए तथा प्रतोकृत किए गए पात्र योन देशों के रास्तिकों द्वारा शामिल वैष्य अधिक होंगे।

#### 2(5) प्राप्त योन देशों से प्राप्त देशों से अनुभव आयात

जिन वस्तुओं में आवात योन देशों में बनी हुई सामग्री निहित है उनका वितरण किया जा सकता है वरते कि निम्नलिखित सूची के अनुसार ऐसे उत्पाद का प्रति एकक का मूल्य मदवार आधार पर आयातित आग 30 प्रतिशत से कम हो।

आयातित लागत बीमा भाड़ा मूल्य + आयात शुल्क  
संभरण का जहाज पर निशुल्क मूल्य X 100

(भारतीय संभरक के मामले में फैट्री कीमत अपनाई जाएगी।)

#### 2(6) संविदा में घोषणा

प्रत्येक संविदा में संभरक द्वारा माल एवं संभरक की पावना और संभरक के दृष्टान्त और नारोड में निम्नलिखित घोषणा जोड़ी जाएंगी:—

"मैं, अधोहस्ताकरी आगे यह प्रमाणित करता हूँ कि मेरी पूरी जानकारी और विद्यास के अनुसार आयात योन देशों से आयातित आग निम्नलिखित सूची के अनुसार 30 प्रतिशत से कम है।"

"मैं, अधोहस्ताकरी आगे यह प्रमाणित करता हूँ कि मेरी पूरी जानकारी और विद्यास के अनुसार आयात योन देशों से आयातित आग निम्नलिखित सूची के अनुसार 30 प्रतिशत से कम है।"

आयातित लागत बीमा भाड़ा मूल्य + आयात शुल्क  
संभरण का जहाज पर निशुल्क मूल्य X 100

"(जहां लागू हो फैट्री कीमत बताएं)"

"मैं, अधोहस्ताकरी, एतद्वारा सत्यापित करता हूँ कि ..... (पात्र योन देश का नाम) में ..... (कामानी का नाम) समाविष्ट और पंजीकृत हो चुकी है और पात्र योन देशों के रास्तिकों द्वारा नियमित है।"

**खण्ड—३ संभरक ठेकों में समाधिष्ट की जाने वाली शर्तें**

3(1) संभरण ठेकों में निम्नलिखित प्राकद्यान विशेष रूप में समाधिष्ट होने चाहिए :—

(क) देके की व्यवस्था भारत मरकार और आपान की विदेशी आधिक सहयोग निधि (ओ.ई.सी.एफ) के बीच इफको के ए.आ.एनएल.ए. (ओसि) उच्चरक परियोजना वे लिए येन ईडिट न. ओ.ई.सी.पी.-३५ (परियोजना सहायता) से संबंधित २५ नवम्बर, १९८५ को हुए अट्टण समझौते के अनुभार हाँनी चाहिए ।

(ख) संभरकों को भुगतान, भारत मरकार और जापानी विदेशी आधिक सहयोग निधि (ओ.ई.सी.एफ) के बीच येन ईडिट स. आ.ई.ई. पी.-३५ से संबंधित २५ नवम्बर, १९८५ को हुए अट्टण समझौते के अन्तर्गत वैकं आफ इंडिया टॉकियो द्वारा जारी किए जाने वाले अपरिवर्तनीय साखाग्रह वे भाष्यम से किए जाएंगे ।

(ग) विदेशी संभरक ऐसी सूचना और इस्तावेजों को प्राप्तुत करने के लिए सहमत होगा जो एक और भारत सरकार द्वारा और दूसरी ओर ओ.ई.सी.एफ द्वारा येन अट्टण के अधीन अपेक्षित हों ।

(घ) २(5) में उल्लिखित प्रपत्र में प्रमाण पत्र (तांत्र प्रतियों में) ।

(ङ) यदि किसी भासले में संभरक आपान में स्थित हो तो संभरण संविदा के मध्यम से एक धारा हाँनी चाहिए कि जापानी संभरक भारतीय दूतावास, टॉकियो के परामर्श पर पांत परिवहन व्यवस्था करने के लिए सहमत है और इधर उद्देश्य के लिए वह भारतीय दूतावास, टॉकियो की शामिल माल की सुपुदी के कार्यक्रम से प्रबंधन करायेगा और पोतशदान से कम से कम ६ सप्ताह पूर्व भारतीय दूतावास को सूचना देगा जिससे कि उचित व्यवस्था है । अब । विशेष भासलों में, जहाँ भारतीय प्रायातक इन्जुक हो, सूचना की दृस अवधि को कम किया जा सकता है । जापानी संभरक को प्रत्येक पोतशदान के पश्चात् आवश्यक व्यारे रेते हुए तार से सूचना भेजने के लिए सहमत होना चाहिए और उसकी एक प्रति भारतीय दूतावास, टॉकियो को भेजी जानी चाहिए ।

**खण्ड—४ विदेशी आधिक सहयोग निधि (ओ.ई.सी.एफ.) द्वारा ठेके की पुनरीक्षा**

4(1) वाइसेंग्धारी को एकों आदश देने के लिए निर्धारित अवधि के भीतर आयातक और संभरकों दोनों द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित ठेके की भार प्रतियां जो विदेशी संभरकों द्वारा लिखित में पुष्टि आवेदन के साथ हों या उनकी हर प्रकार से पूर्ण कोटी प्रतियां संगत वैध आयात लाइसेंस की दो फोटो प्रतियों सहित, और अनुवन्ध-२ में दिए गए प्रपत्र में “प्राधिकार पत्र या जारी करने के लिए आवेदन पत्र” की दो प्रतियां आधिक कार्य विभाग को भेजी जाएं ।

4(2) उपर्युक्त क्रियाविधि यही ठेकों के लिए और ठेकों की विषयवस्तु के लिए अनिवार्य आणोधनों के कारण संशोधनों या उनकी कीमतों पर भी लापू देंगी ।

4(3) वित्त मंत्रालय आधिक कार्य विभाग संविदा को प्रति के महित संविदा निष्पादन करने का नोटिस ओ.ई.सी.एफ. को उनकी पुनरीक्षा के लिए भेजेगा । संविदा निष्पादन करने के नोटिस के साथ संविदा की एक प्रति आधिक कार्य विभाग द्वारा भारतीय दूतावास टॉकियो द्वारा लेखा प्रतिक्रिया नियन्त्रक को भेजी जाएगी जिसके साथ “प्राधिकार पत्र या जारी करने के लिए आवेदन पत्र” और आयात लाइसेंस की फोटो प्रति भी एक रीटी भी उम्हे भेजी जाएगी ।

**खण्ड—५ विदेशी संभरकों को भुगतान साथ पत्र क्रियाविधि**

5(1) वित्त मंत्रालय आधिक कार्य विभाग से संविदा निष्पादन करने का नोटिस या संविदा के मिलने पर, सो. ए. ए.ए.स. संबंधित विदेशी संभरक के लिए संलग्न प्रपत्र-३ ने एक प्राधिकार पत्र जारी करेगा जो संबद्ध विदेशी संभरक के नाम से वास्तविक आयातों के लिए संलग्न अनुवन्ध-४ के रूप में या (सेवाओं के लिए) अनुवन्ध-५ के रूप में आपूर्तवत्तेनाय माखपत्र द्वालने के लिए भारतीय वैकं को टॉकियो शाखा को भेजा जाना चाहिए । प्राधिकार पत्र की प्रतियां (विदेशी आधिक सहयोग) (ओ.ई.सी.एफ.), भारतीय दूतावास, टॉकियो भारत में आयातक के वैकं और आपान अनुभाग, आधिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय को भी प्रियाकृति की जाएगी ।

5(2) प्राधिकार पत्र भिलने पर, भारतीय वैकं टॉकियो अनुवन्ध-५ के अनुभाग (अप्यतां के लिए लागू) या अनुवन्ध-५ (सेवाओं के लिए लागू क्षमा है) के अनुभार संबंधित विदेशी संभरकों के नाम से अपरिवर्तनीय गाखपत्र करेगा और उसकी एक प्रति विदेशी आधिक सहयोग निधि (ओ.ई.सी.एफ.) भारतीय दूतावास, टॉकियो भारत में आयातक के वैकं और उसकी वार्ता एवं परीक्षा नियन्त्रक को भी भेजेगा ।

भी. १. ए. ५.५.५. से प्राधिकार पत्र के आगाह पर साखाग्रह खोलने के लिए उपर्युक्त क्रियाविधि संविदा संपोषण या अन्यथा के लिए भावश्यक भयमें जाने वाले एवं ये नभी प्राधिकार पत्र/साथ पत्रों के संजीधनों पर स्वतः लाभ होगी ।

5(3) माल का पोनलदान करने के बावजूद विदेशी संभरक अपने बैकरों के मालय के गारु पत्र में उल्लिखित दरभावेज भुगतान के लिए वैकं आफ इंडिया टॉकियो को प्रमुख करेगा (यदि दरभावेज सहं पाए गए) तो यैकं आफ इंडिया, टॉकियो द्वालावेजों में उल्लिखित धनराशि के विदेशी गंभरक को उसके बैकरों के मालय से रिहा करेगा और उसके बावजूद आयातों की वार्ता की धनराशि की प्रतिमूर्ति विदेशी आधिक निधि से प्राप्त करेगा ।

5(1) नायक पत्र खोलने, उसके अवीन सीधा करने और यदि कोई विदेशी संभरकों के बैकरों के अन्य प्रभारों के लिए वैकं आफ इंडिया, टॉकियो को देग वैकिंग प्रभार, आयातक/विदेशी संभरकों द्वारा चुकाए जाएंगे संविदा मूल्य के १/१० प्रतिशत (०.१ प्रतिशत) के बगाजर धनराशि की प्राप्ति होने पर ओ.ई.सी.एफ. द्वारा एक व्रद्धनवदता पत्र जारी किया जाएगा । यह धनराशि ओ.ई.सी.एफ. द्वारा आण/निवियों से स्वतः अदा की जाएगी । प्रायात्रह को ओ.ई.सी.एफ. द्वारा परीक्षा नियन्त्रक वित्त मंत्रालय ने भुगतान की मूल्य प्राप्त होने पर व्रद्धनवदता याने के इस पत्र के तुम्ह अपया भाग भरकार के लेवे में जमा कराना पड़ेगा । ओ.ई.सी.एफ. को भुगतान की निधि से और लाया जमा करने की निधि तक (दोनों रिति नियन्त्रक) का आग्र भी आयातक द्वारा चालू दर पर प्रदा किया जाएगा ।

आयातक द्वारा इस प्रकार ०.१० प्रतिशत के बैकं भी प्रतिमूर्ति प्रतिक्रिया के अवीन दृश्य हैं । विदेशी नम्भारक की आयातों की भागत के भुगतान की निधि में ओ.ई.सी.एफ. द्वारा प्रतिमूर्ति को नारीव तक की गिने जाने वाली ग्रावीट के लिए भारतीय यैकं, टॉकियो को देप आग्र के बैकं भारत के संबद्ध आयातक वैकं द्वारा भारत के लेवे की प्रतियां आपूर्त करेगा ।

5(5) प्रतिमूर्ति क्रियान्वयिति—भारतीय संभरकों से माल एवं तेवाओं का अन्वेषण के लिए अट्टण की वर्गता के लिए क्रियाविधि, यहाँ परीक्षीते के साथ नवीनी भी गई प्रतिमूर्ति विदेशी आधिक निधि के अनुभाग होती ।

**खण्ड-6** रुपया निकेप करने के लिए उत्तरदायित्व

6(1) भारतीय बैंक, टोकियो संगत प्राधिकार पत्र के परिषिष्ट में संकेतित अनुसार आयातक के प्रधिकृत बैंकर को निरपवाद रूप से प्रत्क्रम्य जहाज रानी दस्तावेज रिहा होने से पहले इस बात का सुनिश्चय करेगा कि भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी, दिल्ली में रुपया निकेप कर दिया गया है। प्रथम 30 दिनों के लिए समय-समय से खालू बत्तेमान 12 प्रतिशत प्रति वर्ष के हिसाब से गिनी गई येन भुगतान के समतुल्य राशि के लिए व्याज प्रभार और उससे अधिक की अवधि के लिए वास्तविक रुपया निकेप की तारीख तक 18 प्रतिशत की दर से प्रभार भी मूल धनराशि के साथ सार्वजनिक सूचना सं. 31-आईटी सी (पी एन) /83, दिनांक 10-8-83 के अनुसार जमा करने पड़े। इस बात को नोट कर लिया जाना चाहिए कि इन दोनों दिनों अवधि जिस तारीख को भुगतान किया जाता है और जिस तारीख को सार्वजनिक सूचना सं. 103-आईटी सी (पी एन) /76, दिनांक 12-10-76 और सार्वजनिक सूचना सं. 31-आईटी सी (पी एन) /83, दिनांक 10-8-83 द्वारा यथा संशोधित सार्वजनिक सूचना सं. 74, आईटी सी (पी एन) /74, दिनांक 31-5-74 के अनुसार व्याज लिया जाएगा। आयातक की संचालक भी धनराशि और तारीख का निश्चय करने के लिए अलग से व्यवस्था करनी चाहिए। भारतीय बैंक टोकियो से आयातक के बैंक द्वारा पोतपरिवहन आदि दस्तावेजों की देरी से प्राप्ति की रुपया निकेप पर देव व्याज की आंशिक और पूरी धनराशि की कूट के लिए स्वीकार नहीं किया जाएगा। विदेशी संभरक को किए गए येन भुगतान के समतुल्य रूप से यथात् भुगतान करने के लिए अपाराधी जाने वाली विनियम की दर भुगतान की तारीख की लागू विनियम की वह मिश्रित दर होगी जो सार्वजनिक सूचना सं. 109 आईटी सी (पी एन) /74, दिनांक 3-8-74 और सं. 8-आईटी सी (पी एन) /76, दिनांक 17-1-76 में निर्धारित तरीके के अनुसार नियन्त्रित की गई हो जो मूँद नियन्त्रक आयात-नियात की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय रिजर्व बैंक के मुद्रा विनियम नियन्त्रण परिषिरों के माध्यम से सरकार द्वारा समय-समय पर घोषित की गई है।

इस सम्बन्ध में और व्याज की दर से सम्बन्ध में भी जब भी कोई परिवर्तन आवश्यक होगा अधिसूचित कर दिया जाएगा। यह सुनिश्चित करने के लिए भारतीय बैंक की जिम्मेदारी होगी कि देव धनराशि आयातकों को अपने दस्तावेज सौनाने में पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। आयातक को भी यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि देव धनराशि अपने छठणदाताओं से दस्तावेजों की सुपुर्दगी लेने से पहले भरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। यह सुनिश्चित करने के लिए आयातक की जिम्मेदारी होगी कि देव धनराशि सरकारी खाते में ठीक प्रकार से तुरन्त जमा कर दी है भले ही जब वे विशेष परिस्थितियों के अन्तर्गत सीमा शुल्क प्राधिकारियों से माल की सुपुर्दगी प्राप्त करते हैं। यदि आयातक सरकार की देव धनराशि को माल की सुपुर्दगी लेने से पहले जमा नहीं कर पाता तो आगे के लिए उसे प्राधिकार पत्र देना बन्द कर दिया जाए और भामले की रिपोर्ट मूँद नियन्त्रक, आयात-नियात को दी जाए ताकि ऐसे आयातक को आगे और आयात लाइसेंस जारी न किए जाएं। जिस लेखा शीर्ष में उपर्युक्त रुपया निकेप किया जाएगा वह “के डिपोजिट्स एडवान्स-843 सिविल”, डिपोजिट्स-डिपोजिट्स फार परेजिज एट्स्ट्रा एक्स्प्रेस ड्रेस्ट्र क्रेडिट्स लोन एप्रीमेंट” “लोन क्रोम दि गवर्नमेंट आफ जापान 9.5 विलियन येन क्रेडिट सं. आई डी पी-33 फार ए शोनाला कर्टिलाइजर प्रोजेक्ट” होना चाहिए।

6(2) ऊपर उल्लिखित धनराशि या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में, या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी, दिल्ली में चालान के ऊपर लाइनी भोर कीने में कोड सं. 5130000009 का संकैत देवे हुए सरकार की साथ में सार्वजनिक सूचना सं. 184-आईटीसी (पी एन) /68 दिनांक 30-8-68, सं. 233-आईटीसी (पी एन) /68, दिनांक 24-10-68,

तं. 132-आईटीसी (पी एन) /71, दिनांक 5-10-71, सं. 74-आईटीसी (पी एन) /74, दिनांक 31-5-74 भीर मं. 103-आईटीसी (पी एन) /76, दिनांक 12-10-76 में यथा निर्धारित तरीके में जमा होना चाहिए।

6(3) भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा ऐसी मांग किए जाने के बाद सात दिनों के भीतर सम्बद्ध भारतीय बैंक भी उपर निर्धारित तरीके से यह अतिरिक्त धनराशि देवांगों के निमित्त भेजेगा जो वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) द्वारा भांगी जाए। चालान के विभिन्न कालांगों को भरवे समय आयातकों/उनके बैंकरों को इस बात का सुनिश्चय कर लेना चाहिए कि भार्वजिक सूचना सं. 132-आईटीसी (पी एन) /71, दिनांक 5-10-1971 के पैरा-2 में निर्धारित सूचना चालान के कालम “धन परेषण और प्राप्तिकारी (वदि कोई हो) के पूर्ण रूप में” निरपवाद रूप से निर्दिष्ट किए गए हैं। खजाना चालान में निम्न-लिखित घोरे निरपवाद रूप से प्रस्तुत करने चाहिए:—

(क) वित्त मंत्रालय के प्राधिकार पत्र संख्या और दिनांक।

(ख) येन मुद्रा की वह धनराशि जिसके संबंध में अपनाई गई परिवर्तन की दर के साथ निकेप किए गए हैं।

(ग) विदेशी संभरक की भुगतान करने की तिथि।

उसके पक्षतात सो ६ एप्रैल द्वारा जारी किए गए प्राधिकार पत्र का सदर्श देते हुए और बौजक तथा पोत परिवहन दस्तावेजों का संलग्न करते हुए खजाना चालान रुपया जमा करने का साध्य देते हुए पंजाक्ष ढाक द्वारा सी ६ एप्रैल को भेजा जाना चाहिए।

**टिप्पणी:** भारत में आयातक के बैंक को यह सुनिश्चय करना चाहिए कि रुपए का निकेप भारतीय बैंक, टोकियो की आयातीयों की सूचना और अपरिवर्तनीय पोतलदान दस्तावेजों की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर निरपवाद रूप से किया जाना चाहिए और यह कि इसके बत्तकाल बाद सी ६ एप्रैल ए वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) नई दिल्ली को सुचित कर दिया जाएगा।

6(4) भारत में सम्बद्ध भारतीय बैंक को लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति पर रुपया निकेपों की धनराशि का पृष्ठांकन करना चाहिए और अपेक्षित “एस” प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक, इम्बर्ड को भेजना चाहिए।

**खण्ड-8 विविध व्यवस्थाएं**

8(1) आयात लाइसेंस के उपयोग करने की रिपोर्ट

आयातक का पोतलदान और उसके धनीन किए गए भुगतान और शेष धनराशि के बारे में साथ पत्र खालने के बाद एक भासिक रिपोर्ट सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय यू सी औ बैंक विल्डिंग, संसद भार्ग, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए।

8(2) संभरकों को विशेष शर्तों के बारे में प्रधिसूचित करना:

लाइसेंसधारी के आयात लाइसेंस में दिए गए किसी उन विशेष उपबंधों से संभरकों को अवगत करा देना चाहिए, जो माल के लाने में संभरकों पर प्रभाव डालती है।

8(3) विवाद

यह समस्य लेना चाहिए कि लाइसेंस धारी और संभरकों के बीच कोई विवाद उठेगा तो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तरदायित्व नहीं लेगी। भारतीय बैंक, टोकियो द्वारा किए गए भुगतान से पहले संभरक द्वारा पूरी की जाने वाली यांत्र ग्रन्तवन्ध-2 में “भुगतान की यांत्र” के अन्तर्गत अच्छी तरह से स्पष्ट कर लेनी चाहिए। संविदा की शर्तों में विवाद के निपटान से सम्बद्ध व्यवस्थाएं शामिल होनी चाहिए।

8(4) भविष्य ग्रन्तदेश

आयात लाइसेंस या उसके संबंध में उठ आये होने वाले किसी मालके या सभी मालकों से संबंधित या आपानी प्राधिकारियों के साथ येन क्रेडिट समझौते (परियोजना सहायता) सं. आई डी पी-36

के अधीन सभी भाषाओं को विवेशी सार्थिक निगम लिखि, आपाम (यो है सी एफ) के साथ पुर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निवेशों, अनुदेशों या भाषेशों का लाइसेंसधारी को तुरन्त पालन करना होगा।

### 8(5) अतिक्रमण या उल्लंघन

उपर्युक्त बांधों में निर्धारित की गई शब्दों के अतिक्रमण या उल्लंघन करने पर भायात्मनियांत्र (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कार्रवाई की जाएगी।

### 8(6) अनुबन्धों की सूची

1. अनुबन्ध-1 पात्र भोत देशों की सूची
2. अनुबन्ध-2 प्राविकार पत्र जारी करने के लिए अनुरौद्ध,
3. अनुबन्ध-3 प्राविकार पत्र का प्रपत्र
4. अनुबन्ध-4 साथ पत्र का प्रपत्र (वास्तविक भाषाओं के लिए लागू)
5. अनुबन्ध-5 साथ पत्र का प्रपत्र (सेवाओं के लिए लागू)

### अनुबन्ध-1

#### पात्र भोत देशों की सूची

(क) विकासशील वेष्ट तथा उनके सेवा  
(क-1) और अधिक विकासशील वेष्ट

### 1. अफ्रीका उत्तरी भारत

मिथ	प्रोटोकॉल	दुर्भाग्य
2. अफ्रीका, दक्षिण भारत		
प्रंगोला	होस्पाता	मुख्य
हैमेरम	केप बर्डी हीप समूह	केन्द्रीय अफ्रीका भृण- देश
जाव	कर्नोरो द्वीप समूह	कांगो वाहोमें का गणतंत्र
मध्य गिनी (1)	इथोपिया	आम्बिया
जाता	पिनो	भाइवेरी कोस्ट
कोमिया	जेसोयो	वाइवेरिया
मालागासी गणतंत्र,	मालाबी	माली
भारिलेनिया, मारीशस	मुआम्बिक	माइक्रो
पुर्व गाली गिनी	टियूनियन	रोडेशिया
रेपान्डा	सेट लेलिता और हेप (2)	सांघो दोस और शिंस्वाइ
सेनेगल	सेचिलिय	सिगरा सिग्नों, सोमालिया
टैरी प्राप्ति और इस्सास वंजानिया	सूबाम	स्वाजीलैण्ड
गणतंत्र संघ	टोगो	यूगान्डा
जामिया		

### 3. अमेरिका, उत्तरी और केन्द्रीय

आहोस्त	आराबोंडी	वेलाइ
अर्टुरा	कीस्टारिका	क्यूबा
होमिनियन गणतंत्र	एज सालामांडर	गुआडे लीप

(1) पहले स्वेच्छी गिनी का प्रवेश, करीबका दीप सहित  
(2) मिन्नलिंगित द्वीपों की सहित—  
यसेस्कल्पियाक्स वा इन यसेस्कल्पियाक्स, वाइटिंग्स गक  
(3) मुख्य द्वीप समूह, क्लूड, बोनारो, क्लूपर्कोंबो, साहा, बेन्ट

एटेशाला हेती हीन्यू रोस  
जम्बो मार्टिनिक मैनिस्को  
नोवर्सैंड मार्टिनिक निकारागुआ पानोमा  
सेन्टपियर और मिकेनान, ट्रिनीपाया और टोबैगो, बेस्ट इंडीय (शारा)-  
एन ग्राइंड  
(क) सह-संबद्ध राज्य (1)  
(ख) आधित (2)

### 4. इशियी अमेरिका

अर्जेंटीना	बोलिविया	ब्राजील
चिली	कोलम्बिया	काल्प लैंड हीप समूह
फासिसी गुयाना	गुयाना	पाराम्पर
पीए	सुरिनाम	उहगवे

### 5. नव्य-पूर्वी एशिया

घहरीत	इज राइल	ओडिन
सेवानान	ग्रोमन	सिरिपाई घर गणतंत्र
मूवाइटेंड घर घर अमिरात्म	यमन घर घर गणतंत्र (3)	यमन घर घर गणतंत्र का दो घार (4)

### 6. दक्षिण एशिया

धक्कागिस्ताम	बोंगला देश	भूटान
घर्मा	भारत	भाल्दूप
नेपाल	पाकिस्तान	ब्रीलंका

### 7. दक्षिण पूर्वी एशिया

वर्मो	हांगकांग	बहर गणतंत्र
कांगोरा गणतंत्र	लाओस	मकावे
वलेसिया	क्लिपाइन	मियानुर
साइबान	पाहाली प्ल	तिमोर
वियतनाम गणतंत्र	वियतनाम घनघादी	गणतंत्र

### 8. ओसिनिया

कोक द्वीप समूह	फिजी	गिल्ट घोर इलाइस
फ्रेसिसी ओसिनिया	नाइ	द्वीप
(5)		स्पूकेल्डीनिया
न्यू फ्रेसिसी (वि घोर निम्)		प्रौलिपिक द्वीप समूह (संयुक्त राज्य) (6)
पापुआ न्यू गिनी	तोलोमेन्ड्रीप समूह	
वालिस घोर क्लूना	(वा) टोगा	
प्रेसिसी यामोयो		

### 9. पूरोप

साइप्रस	जिब्राल्टर	घोक
माल्टा	स्पेन	तुर्की
पूरीस्लाविया		
(1) मुद्रप्राप्त एन्टिगुआ, डोमिनिका, ब्रेन्टा, सेल्ट किट्स (सेल्ट किट्सों)	नेविस एन्टुआ, सेल्ट सुसिया घोर सेल्ट किट्स	
(2) मुख्य द्वीप समूह, मोलेसरता, सेमान, तुर्फी घोर काइकोस घोर विलिंग	वर्गिन द्वीप समूह	
(3) अष्ट्रेन, तुर्फी, क्लुबाइट, रास घन लेवहि, फार्फाह घोर उम घन घेने।		
(4) घर्मन घोर विभिन्न गश्तगत घोर घमीशत सहित।		
(5) सोलायटी द्वीप समूह (तहिंो सहित) घोर घमिल करते हुए घास्तु द्वीप समूह, द्वाधोर-जान्मियर स्पूप घोर कोकेमस द्वीप तुर्फी।		
(6) जेमिफिल द्वीप समूह को ट्रेस्ट प्रेस, घारीलीन द्वीप समूह, घारील द्वीप समूह घोर घेनिल द्वीप समूह (गाम घोर घाइकर)।		

(क) डॉ. पी. ई. सी. के लदस्य या सहयोगी देख

प्रत्येकिया	वोलियरा	लीवियाई इंड गणराज्य
गेहोन	नाइजीरिया	इमेरेडोर
बेनुएला	ईरान	ईरान
कुर्दी	कतार	सऊदी अरब
प्राथूबाबी	इरानिशिया	

प्रमुखन्त्र-2

प्राधिकार पद आर्टी करने के लिए प्रावेशन पद

संख्या ..... विनांक .....

सेवा में,

सहायता सेवा दला सेवा परीका नियंत्रक,  
वित्त मंत्रालय, प्रार्थिक कार्य विभाग,  
पी. ई. सी. वैक विभिन्न, प्रथम मंजिस्त,  
पार्लियार्मेंट स्टूडी. नई विल्सी-110001

विषय : येन केंटिंग सं. आई. ई. सी. (1986-86 को लिए परियोजना नियमिता) के घोषणा के लिए विवेचन में आया है।

महोदय,

क्षमता उत्पत्तिकाल येन केंटिंग सं. आई. ई. सी. (परियोजना सहायता) के विवेचन से ..... को आयात के संबंध में ..... (वैक का नाम) ..... जो कि वही होता चाहिए जो जीवे (ड.) में सेवा समूदायर सेवक के नाम में साझेशन बोर्डमें के लिए दिया गया है, को प्राधिकार पद आर्टी करने के लिए हम आपको नियमित और प्रस्तुत करते हैं:

(क) आर्थीय आयातक का नाम और पद

(ख) आयात: नाइजीर की सेवा, विनांक और मूल्य वह तारीख जिस तक देख है।

(ग) प्रार्थिक के तरीके ..... क्या वह सीधे क्या प्रोफेशनल क्षुले अन्तर्राष्ट्रीय नियादा पर आधारित है? इनके मामले में परिवर्ती कारण हो तो उनके सहित यह संकेतित होना चाहिए कि क्या सेविया का नियम उपयुक्त तकनीकी प्रस्ताव के आधार पर किया गया है?

(घ) माल का संवित्त विवरण

(ङ) माल का उद्घम वेश

(च) यदि कोई हो तो पाल से मिश्र लोत बैरों से आयातित सभ-ठड़ों का प्रतिशत:—

(ज) संवित्त का कुल जट्ठाव पर नियुक्त मूल्य (येन में)

(झ) यदि कोई हो तो आर्थीय एजेन्ट के कमीशन की अन्तराणि (येन में)

(झ) आर्थिक जट्ठाव पर नियुक्त लागत दला आडा मूल्य (येन में) जिसके लिए प्राधिकार पद मांगा गया है।

(झ) समझ पार के सभरकों के माप की गई सेविया की संख्या एवं विवरक।

(ঠ) विवेची सेवक का नाम, पद और राष्ट्रियता।

(ড) ये भूगतान वह और संभावित विविध जिनको सेविया के अन्तर्लित भूगतान देख हैं।

(ঢ) सुपुर्वी की पूरी करने की प्रत्याशित तिथि।

(঄) वैक प्राफ इंडिया, टोकियो को भूगतान करते समय प्रस्तुत किए जाने वाले वस्त्रावेज (प्रत्येक सैट की संख्या और उनका नियान दियाते हुए),

(অ) प्रत्यानाम अनुभूम वाहनाल्लरण/पार्ट-शिपमेंट, की अनुमति दी गई है या नहीं निर्दिष्ट कीविए।

(আ) भारत में आयातक के वैक का नाम और पद।

(ই) या उसी लाइसेंस के अन्तर्गत संविदा (संविदाएं) का वी गई है और आपनी प्रार्थिकार्यों को अधिसूचित कर दी गई है, यदि हो तो ऐसी प्रत्येक सेविया की संख्या, दिनांक और मूल्य और वित्त मत्रालय का यह संदर्भ जिसके अन्तर्गत पी. ई. सी.एफ. को इसे अधिसूचित किया गया है।

(ঈ) या साथ-नाम के अन्तर्गत और राष्ट्र-रक्षाव के लिए वैक प्राफ-इंडिया, टोकियो को देव वैक खर्च आयातकों/या संभरकों द्वारा बहन किए जाने हैं।

(উ) आयातक द्वारा वक्तव्यदृढ़ता:—

“हम एतद्वारा मरकार द्वारा निर्धारित तरीके से और वर मे विवेची सभरक को किए गए भूगतान के सम्मुच्च संपर्क को पूरा और महीं जमा करने का वचन देते हैं। प्रत्येक नियोग माल (आयातित सामग्री) की सुपुर्वी मोंपें में पूर्व तरकाल ही बनराशियों जमा कराई जाएंगी। विवेची राष्ट्रीयता वालों की सेवाओं के लिए भूगतानों के मामले में, विं गए अद्यों ही विवेची संभरकों के बीचक द्वारा अनुमोदित कर दिए जाएं और संभरकों को भूगतान कर दिया जाए, त्यों ही बनराशियों जमा करा दी जाए।”

प्रमुखन्त्र ৩

सं. एफ. ....

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

प्रार्थिक कार्य विभाग

नई विल्सी,

सेवा में,

वैक प्राफ इंडिया,  
टोकियो शाखा,  
टोकियो (जापान)

विषय : येन केंटिंग (परियोजना भूगतान) अहण कारार सं. आई. ई. सी. के अधीन आयात साथ-नाम खोलने के लिए प्राधिकार पद आर्टी करता।

प्रिय भूदेव्य,

प्रापके वैक के माप 25-3-1980 को दिए गए समझौते की शर्तों के अनुभार आपको एतद्वारा यथा संलग्न और हेतु अनुजार सर्व वी

येन बनराशि के लिए अपरिवर्तनीय साखपद खोलने के लिए प्राधिकृत किया जाता है।

2. प्रापके वैक द्वारा यद्यों गए प्रत्येक साथ-प्रध की प्रति आयातक वैक, जो ही भी एक भारतीय द्वारा आयात, टोकियो और हेतु पृष्ठाकृत की जाए।

3. साथ-पत्र की शर्तों के प्रनुसार प्रारम्भ में संभरकों को भुगतान घोषिती निधि से किया जाएगा। भुगतान के साथ और ईसीएफ को आवश्यक दस्तावेज भेजकर किए गए भुगतान की प्रतिपूर्ति का दावा तत्काल करना चाहिए।

4. विदेशी संभरक को भुगतान करने के बाद आपको (आयातक के बैंकर का नाम और पता) को मूल पोतपरिवहन दस्तावेज़ (मोल तौल वाले) और अतिरिक्त दस्तावेजों का पूर्ण मैट और नकद भुगतान यदि कोई हो तो उसके महित संभरक को किए गए भुगतानों के लिए डेविट एडवाइस की एक प्रति अज्ञनी चाहिए।

5. संभरक की आपके द्वारा किए गए भुगतान की तिथि के बीच और यो ही सी एक द्वारा उसकी प्रतिपूर्ति की तिथि तक के बीच के समय के लिए आपको देय व्याज प्रभार का निपटान आपके द्वारा भारत सरकार के लेखे की प्रभावी किए बिना साधारण बैंकिंग सूत्रों के माध्यम से 'बोरेट में आवधानक' के स्वद्वद बैंक के माथ किया जाएगा। बैंकों के अध्य खर्च जिसमें मालवाल बोलने, रख रखावा करने और साथपत्रों को जारी रखने के लिए खर्च भी शामिल हैं क्योंकि वे भी परकार्य दस्तावेजों के बंचालन से संबंधित हैं और यदि कोई हो तो, विदेशी संभरकों के बैंकों के खर्च भी विदेशी संभरक की ही देने पड़ेंगे और इसलिए आयातक द्वारा उनको भुगतान नहीं किया जाएगा और इसलिए उन्हें सीधे ही संभरकों से प्राप्त किया जा सकता है। इस प्रकार ऐसे भुगतानों की प्रतिपूर्ति का दावा जो ही सी एक में नहीं किया जा सकता है।

6. जैसे ही आपके द्वारा कोई भुगतान किया जाता है और उमकी प्रतिपूर्ति आपको कर दी जाती है तो इसकी सूचता निर्धारित प्रक्रम में इस मंत्रालय को भेज दी जानी चाहिए।

7. यह प्राधिकारपत्र समुद्रपार संभरकों के नाम में साखिपत्र खोलने की जिए हैं इस भवालय के विशिष्ट प्राधिकार के बिना इस प्राधिकरण के मध्य खोले गए आपो के तर्ण साखिपत्र या साखिपत्रों में बाद में संशोधनों का अनपालन नहीं किया जाएगा।

8. यह प्राधिकारपत्र तक वैध रहेगा।

9. कृपया ठेके से संबंधित सभी पदाचारों में और भगतान प्रदर्शन करने वाली एडवाइस में भी प्रस्तुत अनुदेश पत्र के शीर्ष पर दी गई संख्या का हूला दें।

भवदीय

(नेत्रा अधिकारी)

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित :—

1. आयातक को उनके पत्र सं  
दिनांक के संदर्भ में।

उनसे अनुरोध है कि वे बैंकरों से विनियम दस्तावेजों की डिलीवरी लेने से पूर्व निश्चित दर पर और तरंगे से अपने बैंकरों के माध्यम से सूचा निषेप आदि जमा कराने का प्रबन्ध करें। अपवाद परिस्थितियों के रूप में यदि माल की डिलीवरी सीधे ही सीमाशुल्क और पन्न प्राधिकारियों से मूल पोतलदान दस्तावेज भेजे जाना ही प्राप्त कर सी जाती है, तो डिलीवरी लेने से पूर्व ही निषेप किए जाने चाहिए। विदेशी उत्पादकों द्वारा दी गई सेवाओं के लिए भुगतान के मामते में जैसे ही संबद्ध बीजक भुगतान के लिए अनुमोदित हो जाएं, निषेप कर दिए जाएं। निषेप शीघ्रता और उचित रूप से न करने पर लाइसेंस घटनाएँ के अनुभाव कार्रवाई की जा सकती है।

2. (1) आयातक के बैंकर की यह प्राप्ति लाइसेंस दिनांक के संदर्भ में है। यह प्राधिकारपत्र वेन क्रेडिट के अधीन आयातों को नियंत्रित करने वाली संबंधित लाइसेंस शर्तों के अंतर्गत जारी किया जाता है। कृपया लाइसेंस जर्वे और संबंधित सार्वजनिक सुचना/विवेदित का अवलोकन किया जाए और आयात/विवेदित चुनौतियों ने संबंधित उचित कार्रवाई की जाए।

(2) उनसे निवेदन किया जाता है कि बैंक प्रधान ईंडिया, ट्रॉकिंग  
बौच से दस्तावेज प्राप्ति करने पर विदेशी संभरक को येन भुगतान  
के बराबर होए जासा करने की व्यवस्था करें। संभरकों को चुकाइ नहीं  
अन्नराशि के बराबर होए की गणना सावेजिंग सूचना सं. ८-आईटी सी  
(पी.एन.) ७६, दिनांक १७-१-२६ या अद्य ऐसी ही सम्बरजिंग सूचना  
जो समय-समय पर जारी की जाए के अनुसार संभरकों को भुगतान करने  
का तिथि को यथा प्रचलित परिवर्तन की सिवित दर पर की जाएगी  
प्रथम ३० दिनों के लिए १२ प्रतिशत वार्षिक दर से और इससे अधिक  
अवधि के लिए १८ प्रतिशत वार्षिक दर से व्याज जो कि संभरक को  
भुगतान को तारोख बैंक आफ ईंडिया को प्रतिपुति को तारोख और  
जब सम्बुद्ध योग्या भारत सरकार के लेखों में जमा किया जाता है उन दो  
अवधियों के बीच की अवधि के लिए गिना गया है उसे भी सावेजिंग सूचना  
सं. ३१-आईटी सं. (पी.एन.)/८३, दिनांक १०-३-४५ के अनुसार भारत  
सरकार के लेखों में जमा करना अनिवार्य है। व्याज दोस्ती रिही के स्तर  
देय है, अर्थात् वह क्लूटिक जिसके विवेता संभरक को भुगतान किया  
जाता है और वह भी तारोख जिसको भारत सरकार के लेखों में योग्या  
जमा कराया जाता है। (जब भी इद्य दर में परिवर्तन किया जाएगा उसे  
सूचित कर दिया जाएगा)। यह सूचिकृत कर लेना अत्युप गिन आयतक  
की जमा सुल्क शिकासी के लिए औराता दस्तावेजों का मूल स्टें दिए  
जाने से पूर्व यह अन्नराशि जमा की जानी है।

(3) ये धनराशियों या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तो स हजारों में कलात के दफ़्तरों और कोड सं. 5130000009 दरवाजे हुए जमा करने चाहिए। इस संबंध में उच्चकाष्ठ व्यापार सर्वजनिक सूचना सं. 134-आई टा सी (पी एन)/68 दिनांक 30-8-68, 233-आई टा सी (पी एन)/68, दिनांक 24-10-1968, 132-आई टा सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-71, सं. 74-आई टा सी (पी एन)/71, दिनांक 31-5-74 एवं सं. 103-आई टा सी (पी एन)/76, दिनांक, 12-10-76 में दिया गए प्रावधानों को ओर विज्ञापन जाना है। वह लेखा गाये जिसमें सभी जमा कराना है “के डिपार्टमेंट एंड एडमिनिस्ट्रेशन-843—सिविल डिपार्टमेंट-डिपार्टमेंट फार पर्सोनेल एंड सेक्युरिटी अड्डे एंड पर्सोनेल अड्डे कोडिट/लोन एंड सेक्युरिटी लोन फोर्म दि गवर्नरमेंट आफ जाना सं. 195 विलियन बेन नैडिट (परियोजना सहायता) सं. आई टा पी-15 फार 1985-86 है।

(4) जिन मामलों में तुल्य समय रिजर्व बैंक आफ इडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इडिया, नाम हजारा में सार्वजनिक सुचता थी, 1948-आई टी का (पा.एन.)/71, दिनांक 5-10-71 के अनुसार नकद जगा करना है जिसमें चालान के मूल रूप में पक्ष प्रतिशतिपि बैंक आफ इडिया, दोको शाखा में प्रत्येक मुक्त रूप से लिपण का पूरा विवरण देते हुए अधेत्रण कर सकते हैं उसके बारे निम्नलिखित पर भेजें।

महाराजा लेडा तथा केढ़ा पराश तियोक  
वित मंत्रालय (आधिक कार्य निवाल),  
पहुँच मंजिल वृत्ति औ दैनिक विचिटा,  
संसद मार्ग नहीं तिलो-११००।

(5) जिन मामलों में तुल्य रूपया और संकेतित सार्वजनिक सूचना थी, दिनांक 24-10-68 में यथा उल्लिखित दर्शनों द्वाहो द्वारा प्रसिद्धि

करना है उक्तों सुनाना वार्षिक एवं पर लेंडी जाने चाहिए। अमीर मालों में, अमर किए गए तुला स्वयं का तुला और इस विसाग को भेजना चाहिए।

(८) संभार का सुनाना की तिथि गे और ओडिया एक द्वारा, उसकी प्रतिपूति के लारीब उक्त के बैंक के समय के लिए बैंक शाफ इंडिया को देव व्यापक प्रभार संचये हैं आपके द्वारा भारत सरकार के लेखे को प्रधारी किए विना सामाजिक सूचों के पाठ्यम ने भारत में धारातक के बैंक के साथ निपटान जायेगे।

विवेक, अूण विभाग-३,  
कम्प्रिया भारिक वहयोग निधि,  
टेक्सटील अूडो विभाग, ४-१, ओहाटमेड़ १-कोड़े।  
विवेक-५, टोकियो १०० जापान।  
मार्टीय दूतावाल, टोकियो।  
अवर समिति, जापान अनुसार, विल भैशालय,  
धारिक शार्य विभाग, नई दिल्ली।

(९) संचरक को किए गए प्रस्तोक भूगतान के लिए यस वस्तावेज (जोहे वाणिज्यिक बैंक, बैंक गारंटी, योत परिवहन वस्तावेजों के लेप-वेन लंडी सेट आदि हैं) आयातक को तब तक नहीं देने चाहिए जब तक कि उपर्युक्त (१) और (२) के अनुसार कार्रवाई न कर सके ही।

(१०) विवेक मंत्र के प्राधिकरण आपारु के रूप में वैकों के कर्तव्य और उत्तराधिकार भारतीय दिव्य बैंक के विविध ए.सो. परियों में निर्वाचित किए गए हैं। इस संघर्ष में ए.ए.प. परियों नं. २, विवेक १८-८-७७ को और विवेक द्वारा विलाया जाना है।

(११) हृष्णा धर्मि के प्रतिभाव में इस पत्र को पावते और अंदर में निर्दिष्ट करते।

अनुधृत-५

(ओहे है सो एक पृष्ठ में-१) प्रपक्ष

प्रतिवर्तनीय सामग्री

(मान के लिये लागु)

मेवा में

दिनांक

प्रिय महोदय	यह गाँधिजी (मृणा) और विवेक,
.....	धारिक सहयोग निधि के बाब्ह हारा
.....	क्रम करारां
(अप्राप्त का नाम और पता)	दिनांक ..... के अनुसार में जारी किया गया है।

विवर महोदय,

इस भूमिक करते हैं कि इसार नाम से विवाहन के लिये बाजक के पूरे नूस के लिये देशी हुण्ड द्वारा उपलब्ध रखने वा रक्कों के लिये इसने व्यापक सामग्री का ..... छोल

दिया है जो ..... ऐसे ..... ऐसे कहा सकते हैं। की कुछ धनराशि से अधिक नहीं है। इसे विनियोग वस्तावेज के साथ भेजा जाना है—

#### हस्तालांतर वाणिज्यिक बैंक

सर्वत आज बोई, समुद्री योत मदान विल जिनमें दिए गए आदेशों का पूरा सेट ही बैंक पृष्ठालित एवं विविहत 'फेट एवं नोडिफाई' अन्य वस्तावेज जियामें ..... से ..... तक विवाह का सुलापन दिया गया है। संविधा से ..... (यदि कोई हो) के सर्वे में संक्षिप्त विवरण अधिक प्रोत्साहन स्वतःहै। वाहतान्तरण स्वीकृत है।

पोतलदान विल जो ..... से वाह की तिथि का नहीं होना चाहिए। आदेशों की ..... १३ एक व्यवस्था प्रदूषित किए जाने चाहिए।

इस केडिट के अंतर्गत यह इफट और वस्तावेज पर यह धंकन हाता चाहिए अपरिवर्तनीय सामग्री ..... दिनांक ..... १९ के अंतर्गत निकलवाया गया और आयात संरक्षण में (संकाय) यदि कोई हो, यह केडिट हस्तान्तरण नहीं है।

इस इतदृष्टा वयत देते हैं कि इस ओडिट के अंतर्गत और इसकी गतों का अनुपालन करके निकलवाएं गए सभी इफट प्रस्तुत करने पर और आदेशित को वस्तावेजों का सुनुयांग पर विविहत स्वीकार किए जायेंगे।

वय तक अन्यदा अप से विस्तार्यूक्ति न बताया जाए कि केडिट "नेत्राकार्म कस्टम एण्ट व्रेक्टिम फार डाक्टरेंट्य केडिट्स (१९७४ रिकार्ड) इस्टर्नेशनल बैंकर आफ कामली, प्रिलिकेन्स में २९०" के बाबत है।

सोदा लगने वाले बैंक के लिये विजेय अनुदेश :

उपर्युक्त आण करार के अंतर्गत जारी किए गए वयस पाल की अधिकारीयों के अनुपाल विवेकों अधिक सहयोग निधि हारा हमारे सुनाना के लिए प्रतिपूति प्राप्त करने के बाब्ह सुप वयत देते हैं कि हम सोदा लगने वाले बैंक द्वारा आरो किए गए अनुदेशों के अनुसार हुण्ड की व्यवस्था को दौटा देंगे।

२. सोदा लगने वाले बैंक को यह बताते हुए हम इफट और इसके गाँधी एक प्रमाणपत्र अवश्य भेजें कि योग वस्तावेज नामे हों हवाई जात डारा ..... को भेज दिया गए हैं।

३. इस केडिट के अंतर्गत यह बैंक के अपने ग्रामान्तरान्तरण के भव्य के लिये है।

उपर्युक्त

( ..... )  
वाणिज्यिक बैंक

हृष्णा .....  
प्राधिकृत हस्तावेज

## भुगतान यत्ते

यह भुगतान हमारी साखपत्र सं ..... का अभिन्न अंग है।

## 1. प्रारंभिक भुगतान

घनराशि ..... येन जो कि मृश संविदा मूल्य के ..... प्रतिशत है।

अपेक्षित दस्तावेजों प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि

## 2. मध्यवर्ती भगतान (यदि कोई छोटा)

घनराशि ..... येन जो कि कुल संविदा मूल्य का ..... प्रतिशत है।

## अपेक्षित दस्तावेज़

प्रस्तुत करने का अंतिम तिथि

## 3. पोतलदान दस्तावेजों के मद्दे भुगतान

घनराशि ..... येन संविदा के कुल मूल्य का ..... प्रतिशत है।

टिप्पणी:—पोतलदान दस्तावेजों के मद्दे पूर्ण भुगतान के मामले में इस संलग्न दस्तावेज़ की आवश्यकता नहीं है।

## अनुधन्य-V

## (जो ही सीएफएल सो प्रपत्र-2\*)

## अपरिवर्तनीय साखपत्र

(संवादों के लिए सामग्री)

## सेवा में

## विवरण

..... यह साखपत्र अर्णे और चिदेशों अर्थात् महयोग निधि के बोचे हुए अर्ण करार सं ..... दिनांक .....  
(संभरक का नाम न पता)

के अनुसरण में जारी किया गया है।

## प्रिय सहाय्य,

हम आपको धूक्षित करते हैं कि हमारे नाम में निकालने के लिए पूर्ण ध्वारे मूल्य के लिए लाभकारी ड्राफ्ट एट साइट द्वारा उपलब्ध रखया रखकरों के लिए अपके नाम में हमने अपरिवर्तनीय साख पत्र मं ..... खोल दिया है जो येन ..... (येन ..... पहने) को कुल घनराशि से अधिक नहीं है।

इसमें संलग्न भुगतान अनुसूची के अनुसार अपेक्षित (संविदा ..... और परिवेजा ..... ) से संधित दस्तावेजों को नत्या करना है जो तथ करने के लिए ड्राफ्ट ..... से पहले प्रस्तुत किए जाने चाहिए।

सभी ड्राफ्ट और दस्तावेज अपरिवर्तनीय साखपत्र सं ..... दिनांक ..... के अंतर्गत भुगता लिए गए हैं, से विभिन्न दूसरे चाहिए।

## यह क्रेडिट दस्तावेज नहीं है।

हम एतदद्वारा बताते हैं कि इस क्रेडिट के अंतर्गत इसकी शर्तों को अनुपालना में भुगता गए सभी ड्राफ्ट प्रस्तुत करने पर और अपेक्षितों को सुनुवाई पर विधिवत स्वीकार किए जायेंगे।

जब तक अन्यपालन से विस्तार पूर्वी न बड़ाया जाए, यह क्रेडिट, “पूनिकार्म कल्पम एड प्रोफेस फार डाकूमेंट्री प्रेडिट्स (1974 हिन्दीजम) इन्टरनेशनल चैम्बर आफ कामसं नं. 290” के अधीन है।

सोबा करने वाले बैंक को विशेष आदेश:—

इसमें संलग्न प्रपत्र के अनुसार (अर्णी और इसके मनोनीत अधिकारों द्वारा जारी किए गए निष्पादन के मूल विवरण को प्राप्ति के पश्चात इस क्रेडिट के अंतर्गत भुगतान इसमें संलग्न शोट में निवारित भुगतान अनुसूची के अनुसार किए जाने चाहिए। प्रारंभिक भुगतान के मामले में उपर्युक्त निष्पादन के विवरण के बजाए लाभकारी विवरण की आवश्यकता है।

उपर उल्लिखित अर्ण समझते के अधीन जारी किए गए बचतवद्धा पत्र के उपर्युक्तों के अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग निधि से अपने भुगतान के लिए प्रतिपूर्वि प्राप्त करने के बावजूद हम ड्राफ्टों का घनराशि जो नाम नाम नहीं जारी हो रहा हिन्दी अनुदेशों के अनुसार विधित करने का बक्स देते हैं।

3. उपर्युक्त मद 1 में यथा उल्लिखित दस्तावेज को एक प्रति और मसोदे हमें उपर्युक्त प्राप्ति के तुरन्त बाद हुए मेंजे जायेंगे।

4. इस साख के अंतर्गत बैंक के सभी खर्च मंसरकों के लेवे के लिए है।

मवदाय,

(वाणिजिक बैंक)

द्वारा .....  
(प्रोवेन्चा इकाई)

## भुगतान अनुसूची:

पृष्ठा-१ अनुसूची हमारे नामवत्र सं ..... का एक अभिन्न अंग है।

1. प्रारंभिक भुगतान .....  
घनराशि ..... येन  
कुल संविदा मूल्य का ..... प्रतिशत है।  
अपेक्षित दस्तावेज लाभकारी विवरण का अंतिम भुगतान तिथि

2. भुगतान वृद्धि  
सम्पूर्ण योग का घनराशि ..... येन  
कुल संविदा मूल्य का ..... प्रतिशत  
निम्न प्रकार से भुगतान किया जाता है:—

देव घनराशि	अंतिम भुगतान तिथि
येन	.....
पहले किस्त देव	.....
.....	.....
.....	.....

अपेक्षित दस्तावेज (अर्णों अपका उपके मनोनीत प्राधिकारों) द्वारा जारी किए गए निष्पादन के विवरण का एक प्रति जिसका एक प्रपत्र संलग्न है।

नियादन का विवरण

संवाद में,	दिनांक .....
.....	संदर्भ .....
.....	.....
(संस्थक का नाम और पता)	.....
प्रबंधक:—अहम करार सं..... के अंतर्गत .....	परियोजना द्वारा संबंधित .....
.....	के नाम में..... येन के लिए .....
द्वारा आरो किए गए साधा पत्र की सं.....	.....
दिनांक:.....	.....
मैं जब्तोहस्ताक्षर, प्रतिनिधि (अहम एवं द्वारा..... अंतर्गत .....	के वाचन गत्तीया सं.....
दिनांक .....	में विहित सुनान को शर्तों के अनुसार नमुद्दार आर्थिक लक्ष्यता नियम द्वारा.....
की धनराशि..... येन के बल)	.....
प्राप्त करने के लिए एक नियादन विवरण जारी करता है।	.....
(.....)	
(अहम)	
द्वारा.....	
(प्राप्तिका हस्ताक्षर)	

## विशेष अनुदेश:—

प्रासादिक नियादन का विवरण इसमें संशोधन पत्र हैं दर्शाया जाएगा।

## MINISTRY OF COMMERCE

## IMPORT TRADE CONTROL

## PUBLIC NOTICE NO. 90-ITC(PN)/85-88

New Delhi, the 25th April, 1986

**Subject:** Licensing Conditions for import of equipment and Services under the Yen Credit of Yen 9.5 billion for Aonla Fertilizer Plant Project.

F. No. IPC/23(26)/85-88.—The terms and conditions governing the issuance of import licences under the 9.5 Billion Yen Credit extended by the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) for financing the import requirements of the AONLA Fertilizer Plant Project of the Indian Farmers Fertilizer Cooperative Ltd. (IFFCO) as given in Appendix to this Public Notice are notified for information.

R. L. MISHRA, Chief Controller of Imports & Exports

## APPENDIX

Licensing conditions in respect of import of Equipment and Services under the Yen Credit of Yen 9.5 Billion (ID-P. 35) for the Implementation of the Aonla Fertilizer Plant Project of the Indian Farmers Fertilizer Cooperative Ltd. (IFFCO) extended by the overseas economic Cooperation Fund (OECF) of Japan.

## Section I—General Conditions :

I (i) The Yen Credit of Yen 9.5 billion extended by the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF)

for financing the import requirements of the Aonla Fertiliser Project of IFFCO is untied in favour of Japan and all the developing countries including India. Accordingly the goods and services to be procured under this credit can be procured from Japan and all countries (including India) enumerated in the list at Annexure-I which will be eligible source countries under the credit.

I. (ii) IFFCO has already been issued a bulk import licence No. I/CG/2041440 dated 24-10-85 for an amount of Rs. 175 crores to meet its import requirements for the Aonla Fertiliser Plant Project. The import licence is valid till 23-10-1987.

I. (iii) Request for further extension/issue of fresh import licence, if any, shall be referred to the Deptt. of Economic Affairs (Japan Section).

I. (iv) Imports to be financed under the Credit are restricted to the list of goods and services attached to the import licence, duly attested by the licensing authorities.

I. (v) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence. Any payment towards Indian Agents commission should be made in Indian rupees to the agent in India, such payments, however, will form part of the licence value and will, therefore, be charged to the licence.

I. (vi) Firm order must be placed on FOB/C&F basis on the Overseas supplier located in the countries mentioned in Annexure-I and sent to the Department of Economic Affairs (Japan Section). "Firm orders" means purchase orders placed by the Indian Licencee on the overseas Supplier duly signed by the latter or purchase contract duly signed by both the Indian importer and the overseas supplier. Orders on Indian Agents of overseas suppliers and/or orders confirmation of such Indian Agents are not acceptable.

I. (vii) All payments must be completed within 4 months from the expiry of the import licence. Individual payments must be arranged upon shipment of goods. The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents. No credit facility of any kind will be permitted to be availed of by the Indian importer from the Overseas supplier. The contract should provide for the period of delivery of goods as follows:—

..... Months after the receipt of Letter of credit but to be completed latest by the end.....

In fixing the terminal date for shipment it should be noted that this date should not be beyond 30-6-90.

Section-II—Special points to be kept in view while negotiating a supply contract.

II (i) The FOB/C&F value of the contract should be expressed in Yen (Fraction of yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's commission if any, which should be paid in Indian rupees.

In no circumstances the contract value should be expressed in Indian rupees or in any other currency. The purchase order and the supplier's order confirmation should be in English only.

II (ii) Procurement of all goods and services to be financed out of the proceeds of the loan shall be made in accordance with the guidelines for procurement under the loan with the following supplemental stipulations:—

(a) In case of procurement of goods and services of value estimated to be not less than 300 million Yen:—

(i) Prior approval of OECF shall be obtained if it is proposed to adopt procurement procedure other than the Formal Open International Tendering with Prequalification, submitting to OECF an application for approval of procurement method.

(ii) Prior to issuing a notice of award to successful bidder, the application for approval of award with bid evaluation report shall be submitted to

OECF for approval. Alongwith the above application for approval of award and bid evaluation, the evaluation report of prequalification, notices and instructions to bidders, bid form, proposed contract, specifications and drawings and other documents related to bidding will also be submitted to OECF for its review.

- (b) In case of procurement of goods and services of value estimated to be less than Yen 300 million prior approval of OECF is not required for award of contract on the condition that tender lots are divided reasonable. However, if OECF requests, the tender evaluation reports etc. will be submitted to OECF for its review.
- (c) The application/documents mentioned in (a) (i), (a) (ii) and (b) above will be submitted by the importer to Deptt. of E.A., in duplicate, for submission to OECF.
- (d) Contract shall be fixed and payable in Japanese Yen without any fraction less than one Yen.
- (e) The bidding documents shall state which are the Eligible Source Countries.
- (f) In the evaluation of bids, any bidder shall not be granted a margin of preference.

II. (iii) The payment to the overseas supplier should be arranged through an irrevocable letter of credit to be opened by the Bank of India, Tokyo in their favour under the OECF Yen Credit (Project Aid) No. ID-P-35 for 1985-86 the details of which are given in Section VI below.

#### II. (iv) Eligibility of Supplier.

The supplier shall be nationals of the eligible source countries, or juridical persons incorporated and registered in eligible source countries and controlled by nationals of the eligible source countries.

#### II. (v) Permissible imports from non-eligible source countries.

Financing of goods which contain materials originating from a non-eligible source country or countries may be made, provided that the imported portion is less than thirty percent (30%) of the price per unit of such products in accordance with the following formulae:—

$$\frac{\text{IMPORTED CIF PRICE} + \text{Import Duty}}{\text{Supplier's FOB Price}} \times 100$$

(In case of Indian Supplier, Ex-factory price shall be adopted).

#### II. (vi) Declaration in Contract.

The following declaration as to the eligibility of the goods and supplier signed and dated by the supplier shall be added to each contract.

"I the undersigned, hereby certify that the goods to be supplied are produced in \_\_\_\_\_ (name of eligible source country)."

I the undersigned, further certify that to the best of my information and belief the portion imported from the non-eligible source countries is less than thirty per cent (30%) in accordance with the following formula :—

$$\frac{\text{IMPORTED CIF PRICE} + \text{Import Duty}}{\text{Supplier's FOB Price}} \times 100$$

(Where applicable Ex-factory price)

"I, the undersigned and hereby certify that \_\_\_\_\_ (name of company) has been incorporated and registered in \_\_\_\_\_ (name of eligible

source country), and is controlled by nationals of the eligible source countries".

#### Section III—Conditions to be incorporated in the supply Contracts.

III (i) The following provisions should be specifically embodied in the supply contract :

- (a) The contract is arranged in accordance with the loan Agreement between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) dated the 25th November, 1985 concerning the Yen Credit No. ID-P-35 (Project Aid) for Aonla Fertiliser Project of IFFCO.
- (b) Payments to the supplier shall be made through an irrevocable Letter of Credit to be issued by the Bank of India, Tokyo, under the Loan Agreement No. ID-P-35 dated 25th November, 1985 between the Government of India and the Overseas Economic Co-operation Fund of Japan (OECF).
- (c) The Overseas suppliers agree to furnish such information and documents as may be required under Yen Credit arrangements by the Government of India on the one hand and the OECF on the other.
- (d) Certificates triplicate in the forms indicated in II(vi).
- (e) In case the supplier is located in Japan, the supply contract should contain a clause that the Japanese supplier agrees to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and for that purpose he would keep the Embassy of India Tokyo informed of the goods involved and notify the Embassy of India atleast six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements could be made. In exceptional cases, where the Indian importer require it, this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India-Tokyo.

#### Section IV—Review of contract by OECF

IV (i) Within the stipulated period for placement of firm orders the licensee should forward 4 copies of the contract duly signed by both the importer and the supplier supported by order confirmation in writing by the supplier or their photocopies complete in all respects together with two photocopies of the relevant and valid import licence and two copies of the "Request for issue of L.A." in the form in Annexure II to the Deptt. of E.A.

IV (ii) The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of the contracts or in its price.

IV. (iii) The Ministry of Finance, Deptt. of E.A., will send Notice of Conclusion of Contract alongwith a copy of the contract to OECF for its review. A copy each of the Notice of Conclusion of Contract accompanied by the contract will also be sent by the Deptt. of E.A. to the Embassy of India, Tokyo and Office of the CAA&A alongwith one copy each of the "Request for issue of L.A." and photocopy of the import Licence.

#### Section V—Payment to the Overseas suppliers-Letter of Credit Procedure.

V. (i) On receipt of the Notice of Conclusion of contract and contract document from the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs. The CAA&A will issue a letter of authorisation as in the form attached as Annexure-III addressed to the Tokyo Branch of the Bank of India for opening an irrevocable Letter of Credit as in the form attached at Annexure-IV (for imports) or Annexure-V (for services) in favour of the overseas supplier concerned. Copies of the Letter of Authorisation will be endorsed to the OECF, the Embassy of India, Tokyo, the importer's Bank in India, and Japan section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

V(ii) On receipt of the letter of authority, the Bank of India, Tokyo, will establish an irrevocable letter of credit as per Annexure-IV (applicable to imports) or V (applicable to services) in favour of the Overseas suppliers concerned and will also forward a copy of the same to the OECF, Embassy of India, Tokyo, the importer's bank in India and the CAA&A.

The above procedure of opening of letters of credit on the basis of the letters of authority from CAA&A would ipso facto apply to all such amendments to letter of authorisation/letter of credit as may become necessary due to contract amendment or otherwise.

V(iii) The overseas supplier shall, after effecting shipment of goods, present through his bankers the documents specified in the letter of credit to the Bank of India, Tokyo will release the amount specified in the documents to the overseas supplier through his bankers and will thereafter obtain reimbursement of the said amount from the OECF.

V(iv) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for opening the letter of credit, for negotiations thereunder and charges if any of overseas suppliers' bankers are to be borne by the importer/overseas suppliers.

A letter of commitment will be issued by the OECF on receipt an amount equal to one-tenth percent (0.1%) of the contract value. This amount will be paid to itself from the loan/funds by OECF.

The importer is required to deposit into the Govt. of India account the rupee equivalent of this letter of commitment charges on receipt of intimation of the payment from OECF or from the Controller of Aid Accounts, Ministry of Finance. Interest from the date of payment to OECF to the date of rupee deposit (both dates inclusive) at prevailing rates will also have to be paid by the importer.

A similar charge of 0.1% is payable by the importer under the reimbursement procedure also. Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the period counting from the date of payment of the cost of imports by them to the overseas suppliers to the date of reimbursement by the OECF, shall be settled by the concerned importers bank of India by remittance to the Bank of India Tokyo through normal Bank ing channels without affecting the Government of India's account.

#### V(v) Reimbursement Procedure

Procedure for disbursement of the proceeds of the loan for the purchase of goods and services from Indian Supplies shall be in accordance with Reimbursement Procedure attached to the loan agreement.

#### Section VI—Responsibility for rupee deposit

VI(i) The Bank of India, Tokyo will forward the negotiable shipping documents to the accredited bankers of importer as indicated in the Appendix to the relevant Letter of Authority and the bankers will in turn ensure that the rupee deposits are invariably made at RBI, New Delhi or S.B.I. Tis Hazari, Delhi before releasing the shipping documents. Interest charges on the rupee-equivalents of the Yen payments calculated at the rate prevailing from time to time, the present rate being 12% per annum for the first 30 days and @ 18 per cent per annum for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Overseas Supplier to the date of actual rupee deposit, have also to be deposited alongwith the principal payment, in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-83.

It should be noted that interest is chargeable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Overseas Supplier and also the day on which rupee deposit is made in Government Account vide Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 as modified under Public Notice No. 103-ITC(PN)/74 dated 12-10-76 and Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-83.

The importer should make separate arrangements to ascertain the amounts and dates of payments made to the supplier. Late or delayed receipt of shipping etc. documents by the importers Banker from Bank of India, Tokyo will not be acceptable as reason for waiver of partial or full amount of the interest due on the rupee deposits.

The exchange rate to be adopted or computing the rupee equivalent of the Yen payments made to the overseas suppliers will be the composite rate of exchange applicable to the date of payment which will be worked out in accordance with the method prescribed in Public Notice No. 109-ITC(PN)/74 dated 3-8-1974 and 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 or as may be notified by Government from time to time through public Notices of the CCI&E or through Exchange Control Circulars of the Reserve Bank of India.

Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amount due are correctly deposited into Government account before the import documents are handed over to the importers. The importers should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their Bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amount due are correctly deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities without original shipping documents under exceptional circumstances. In case the importers fail to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further LAS to him may be stopped and the matter reported to the CCI&E so that no further import licence is issued to such an importer. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits an Advances-843 civil Deposits-Deposits for purchase etc. abroad-Purchase under credits/Loan, Agreements". Loans from the Government of Japan-9.5 Billion credit No.-ID-P-35 for the Aonla Fertiliser Project.

VI (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating Code No. 5130000099 on the right hand corner of the challan or State Bank of India, Tis Hazari, Delhi as contemplated in Public Notices No. 184-ITC(PN)/68 dated 30-8-1968, No. 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-1968, No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976.

VI (iii) The concerned Bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, on account of service charges within seven days after such a demand is made by Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) while filling in the various columns in the challan it should be ensured by the importers/their banker, that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the treasury challans :—

- Ministry of Finance letter of authority No. and date.
- Amount of Yen currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- Date of payment to the overseas supplier.

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the letter of authorisation issued by him and also enclosing copies of the invoice and shipping documents.

**NOTE.—** Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payments and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A Ministry of Finance (DEA), New Delhi is kept informed of the fact immediately thereafter.

VI (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

### Section VIII.—Miscellaneous Provisions

VIII (i) Reports on utilisation of the import licence.—The importer should send a monthly report, after the letter of credit has been opened regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi.

VIII (ii) Notifying Suppliers of Special Conditions.—The licences should apprise the supplier of any special provisions in the import licence which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

VIII (iii) Disputes.—It should be understood that the Government of India, will not undertake any responsibility for disputes, if any, that may arise between the licensee and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-II under "Terms of Payment". Provisions dealing with settlement of disputes should be included in the conditions of contract.

VIII (iv) Future Instructions.—The licensee shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under the Yen Credit Agreement (Project Aid) No. ID-P-35 with the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF).

VIII (v) Breach or violation.—Any breach or violation of the conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

### VIII (vi) List of Annexures :

Annexure—I List of eligible source countries

Annexure—II Request for issue of Letter of Authority.

Annexure—III Form of Letter of Authority.

Annexure—IV Form of letter of credit (Applicable to imports)

Annexure—V Form of Letter of Credit (Applicable to Services).

### ANNEXURE I

#### LIST OF ELIGIBLE SOURCE COUNTRIES

##### A. Developing Countries and Territories

###### (a) Non-OPEC Developing Countries

I. AFRICA, North of Sahara  
Egypt  
Morocco  
Tunisia

II. AFRICA, South of Sahara

Angola  
Botswana  
Burundi  
Cameroun  
Cape Verde Islands  
Central African Rep.  
Chad  
Comoro Islands  
Congo, People's Republic of  
Dahomay

Equatorial Guinea (1)  
Ethiopia  
Gambia  
Ghana  
Guinea  
Ivory Coast  
Kenya  
Lesotho  
Liberia  
Malagasy Republic  
Malawi  
Mali  
Mauritania, Mauritius  
Mozambique  
Niger  
Portuguese Guinea  
Reunion  
Rhodesia  
Rwanda  
St. Helena and dep. (2)  
Sao Tome and Principe  
Senegal  
Seychelles  
Sierra Leone  
Somalia  
Sudan  
Swaziland  
Tetto, Afars and Issas  
Togo  
Uganda  
Un. Rep. of Tanzania  
Upper Volta  
Zaire Republic  
Zambia

##### III. AMERICA, North and Coat.

Bahamas  
Barbados  
Belize  
Bermuda  
Costa Rica  
Cuba  
Dominican Republic  
El Salvador  
Guatemala  
Haiti  
Honduras  
Jamaica  
Martinique  
Mexico  
Netherlands Antilles  
Nicaragua  
Panama  
St. Pierre & Miquelon  
Trinidad and Tobago  
West Indies (Br.) n.i.e.  
(a) Associated States (3)  
(b) Dependencies (4)

##### IV. AMERICA, South :

Argentina  
Bolivia  
Brazil

(1) Formerly the territory of Spanish Guinea, including the island of Fernando Po.

(2) Including the following islands : Ascension, Tristan da Inaccessibles, Nightingale, Gough.

(3) Main Islands : Antigua, Dominica, Grenada, St. Kitts (St. Christopher), Nevis-Anguilla, St. Lucia and St. Vincent.

(4) Main Islands : Montserrat, Cayman, Turks and Caicos, and British Virgin Islands.

Chile  
Colombia  
Falkland Islands  
French Guiana  
Guyana  
Paraguay  
Peru  
Surinam  
Uruguay

V. ASIA, Middle East :

Bahrain  
Israel  
Jordan  
Lebanon  
Qman  
Syrian Arab Republic  
United Arab Emirates (1)  
Yemen Arab Republic  
Yemen, People's D. R. (2)

VI. ASIA, South :

Afghanistan  
Bangladesh  
Bhutan  
Burma  
India  
Maldives  
Nepal  
Pakistan  
Sri Lanka

VII. ASIA, Far East :

Brunei  
Hong Kong  
Khmer Republic  
Korea, Republic of  
Laos  
Macao  
Malaysia  
Philippines  
Singapore  
Taiwan  
Thailand  
Timor  
Viet-Nam, Rep. of  
Viet-Nam, Dem. Rep.

VIII. OCEANIA :

Cook Islands  
Fiji  
Gilbert & Ellice Is.  
French Polynesia (3)  
Nauru  
New Calendonia  
New Hebrides (Br. and Fr.)  
Niue  
Pacific Islands (US) (4)  
Papua New Guinea  
Solomon Islands (Br.)  
Tonga  
Wallis and Futuna  
Western Samoa

(1) Ajman, Dubal, Fugairah, Ras al Khaimah, Sharjah and Umm al Quaiwain.

(2) Including Aden and various sultantes and emirates.

(3) Comprising the Society Islands (including Tahiti), The Austral Islands, the Tuamoto-Gambier Group and the Marquesas Islands.

(4) Trust Territory of the Pacific Islands - Caroline Islands Marshall Islands, and Marine Islands (except Guam).

IX. EUROPE :

Cyprus  
Gibraltar  
Greece  
Malta  
Spain  
Turkey  
Yugoslavia

(a2) Member of Association Countries of OPEC :

Algeria  
Bolivia  
Libyan Arab Republic  
Gabon  
Nigeria  
Ecuador  
Venezuela  
Iran  
Iraq  
Kuwait  
Qatar  
Saudi Arabia  
Abu Dhabi  
Indonesia.

ANNEXURE II

REQUEST FOR ISSUE OF THE LETTER OF AUTHORITY

NO.	DATE
To	
The Controller of Aid Accounts and Audit, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, U.C.O. Bank Building, 1st Floor, Parliament Street, NEW DELHI-110001	
Sub : Import of	from Japan Under the
Yen Credit No. ID-P-	(Project Aid for 1985-86)

Sir,

In connection with the import of \_\_\_\_\_ from \_\_\_\_\_ under the above mentioned Yen Credit No. ID-P- (Project Aid) we furnish the following particulars to enable you to issue the Letter of Authority to the \_\_\_\_\_ (name of the Bank) which should be the same as given in (P) below for opening a Letter of credit in favour of the overseas supplier concerned.

- (a) Name and address of the Indian importer.
- (b) Number, date and value of the import licence and date upto which it is valid.
- (c) Method of procurement—whether it is based on direct purchase or Formal Open International tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- (d) Brief description of the goods.
- (e) Origin of the goods.
- (f) Percentage of the import components from non-eligible source countries, if any.
- (g) Gross FOB/C&F value of contract (in Yen)

(h) Amount of Indian agents commission (in Yen), if any.

(i) Net FOB/CIF value (In Yen) for which the Letter of Authority is required.

(j) Number and date of the contract with overseas suppliers.

(k) Name, Address and Nationality of the Overseas Supplier;

(l) Payments terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.

(m) Expected date of completion of deliveries.

(n) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).

(o) Shipment instructions (indicate if trans-shipment/part-shipment permitted or not permitted).

(p) Name and address of the importer's Bank in India.

(q) Whether a contract(s) under the same licence has been placed and notified to the Japanese authorities, and if so, the No., date and value of each such contract and the reference of the Ministry of Finance under which it has been notified to the O.E.C.F.

(r) Whether the banking charges of the Bank of India, Tokyo for opening, maintenance and operation of the Letter of Credit will be borne by the importer/supplier.

(s) Undertaking by the importer :

"We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc., of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material importers). In case of payment for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the payment made to the suppliers."

3. Payment to the suppliers in terms of the letter of credit will be made initially out of your own funds. After payments, you must claim immediately reimbursements of the amounts paid by furnishing necessary documents to the OECF.

4. On making payment to the foreign supplier you should send to \_\_\_\_\_ (Name and address of the importers' Bankers), the original shipping documents (negotiable) as well as additional complete set of the documents and a copy of the debit advice for the payments made to the supplier including the down payment if any.

5. Interest charges payable to you, for the time lag between the dates of payment by you to the supplier and the date of its reimbursement to you by the OECF, shall be settled by you with the concerned Importers bank of India through normal banking channels without affecting the Government of India's account. The other banking charges including those on account of opening, maintenance and for the operation of the Letter of Credit as also those connected with handing, negotiating documents and charges of overseas suppliers' bankers if any are to be borne by the importer/overseas suppliers. No reimbursement of such charges is to be claimed from the OECF.

6. As and when any payment is made by you and reimbursement is made to you, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry.

7. This Letter of Authority is intended for opening of L/C favouring the Overseas suppliers. Subsequent amendments to L/C or further fresh L/Cs against this authorisation may not be acted upon in the absence of a specific authority from this Ministry.

8. This letter of Authority will remain valid upto \_\_\_\_\_.

9. Please quote the number given at the top of this letter of instructions in all correspondence relating to the contract and also in the advice showing payment.

Yours faithfully,

(ACCOUNTS OFFICER)

Copy forwarded to :—

1. Importer \_\_\_\_\_ with reference to their letter No. \_\_\_\_\_ dated \_\_\_\_\_

They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery of the negotiable documents from the Bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and Port Authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the Licensing Conditions.

2. (i) Importer's Banker \_\_\_\_\_. This has reference to import Licence No. \_\_\_\_\_ dt. \_\_\_\_\_. This letter of authorisation issued under the relevant licensing conditions governing the imports under Yen Credit. The Licensing conditions and connected Public Notice/order etc. may be referred to and appropriate action taken concerning the import/foreign payments.

(ii) They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the overseas suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amounts disbursed to the suppliers will have to be calculated applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to overseas suppliers in accordance with the Public Notice No. 8-ITC-PN/76 dated 17-1-1976 or such other public Notices as may be issued from time to time. Interest @12 per cent per annum for the first thirty days and at the rate of 18 per cent per annum for period in excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier and the date on

To

The Bank of India,  
Tokyo Branch,  
Tokyo (Japan).

Sub : Import under Yen Credit (Project Aid) Loan Agreement  
No. ID-P- Issue of Letter of Authority for opening  
Letter of Credit.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated 25-3-1980 entered into with your Bank, you are hereby authorised to open irrevocable Letter of Credit for an amount not exceeding Yen \_\_\_\_\_ as per favoriting M/s. \_\_\_\_\_ as per attached details.

2. A copy each of the Letter of Credit opened by your Bank may be endorsed to the importer's Bank, OECF, Embassy of India, Tokyo and to us.

which the rupee equivalents are deposited into the Government of India Account in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-83. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Overseas Suppliers and also the date on which rupee deposit is made into Government Account. (Any change in this rate will be notified if and when made). It would be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for Customs clearance.

(iii) These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or the S.B.I. Tis Hazari, Delhi. In this connection their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 184-ITC(PN)/68 dt. 30-8-68, 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-1968, 132-ITC(PN)/71 dt. 5-10-71, No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is "K-Deposits & Advances—843—Civil Deposits—Deposit for Purchase etc. Abroad under Purchase under Credit]Loan Agreements"—Loans from the Government of Japan 8,195 billion Yen Credit (Project Aid) No. ID-P-35 for 1985-86.

(iv) One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi, or the S.B.I., Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch. The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), 1st Floor UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-1.

V In case where the rupee equivalent are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases full particulars of the rupee equivalents deposited should be furnished to this Department.

VI Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the time lag between the dates of payment to the supplier and the date of its reimbursement to the Bank of India, Tokyo by the OECF shall be settled directly by von with the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

The Director, Loan Department-II, Overseas Economic Cooperation Fund, Takehashi Godo Building, 4-1, Otemachi 1-Chome, Chiyoda-Ku, Tokyo 100, Japan,  
Embassy of India, Tokyo.

The under Secretary, Japan Section, Ministry of Finance  
Department of Economic Affairs, New Delhi.

(vii) For each payment made to the supplier, the original documents (whether commercial invoice, bank guarantees, performance guarantees negotiable sets of shipping documents etc.) should not be released to the importer till action as at (ii) and (iii) above has been taken.

(viii) The Banks' duties and responsibilities as authorised dealer in Foreign Exchange are prescribed in various A.D. circulars of the Reserve Bank of India. Specific reference in this regard is invited to A.D. Circular No. 22 dt. 18-6-77.

(ix) The receipt of this communication may be acknowledged and reference etc. for future correspondence may be indicated.

#### ANNEXURE IV

##### Form OECF-LC 1

Irrevocable Letter of Credit  
(Applicable for goods)

To \_\_\_\_\_

(Name and address of  
the Supplier)

Date :

This Letter of Credit has  
been issued pursuant to  
Loan Agreement No. \_\_\_\_\_  
dated \_\_\_\_\_

between (Borrower) and  
THE OVERSEAS ECONOMIC  
COOPERATION FUND.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit  
No. \_\_\_\_\_ in your favour for account of \_\_\_\_\_  
for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of \_\_\_\_\_  
(Say Yen, \_\_\_\_\_) available by your drafts  
at sight for full invoice value drawn on us, to be accompanied  
by the following documents :

Signed commercial invoice in Full set of clean on board  
ocean bills of lading made out to order and blank endorsed  
and marked "Freight and Notify other documents"  
evidencing shipment of (brief description of goods to be  
shipped referring to Contract No. \_\_\_\_\_ (if any)  
from \_\_\_\_\_ to \_\_\_\_\_ Partial  
shipments are \_\_\_\_\_ permitted.  
Transhipment is \_\_\_\_\_ permitted.

Bills of lading must be dated not Later than \_\_\_\_\_  
Drafts must be presented for negotiation not later than \_\_\_\_\_.

All drafts and documents under this credit must be marked  
"Drawn under \_\_\_\_\_ irrevocable credit No. \_\_\_\_\_,  
dated \_\_\_\_\_

and Import Reference No. (s) \_\_\_\_\_ (if any)"

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in  
compliance with the terms of the credit shall be duly honoured  
on due presentation and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to  
"Uniform Customs and Practice for Documentary Credits  
1974 Revision", International Chamber of Commerce Bureau  
No. 290.

#### Special Instructions to the negotiating bank:

- After obtaining the reimbursement for our payments  
from The OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of  
the Letter of Commitment issued thereby under the  
abovementioned Loan Agreement we undertake to  
remit the amount of the drafts in accordance with  
instructions issued by the negotiating bank.
- The negotiating bank must forward the drafts and  
one complete set of documents to us together with  
the certificate stating that the remaining documents  
have been airmailed direct to \_\_\_\_\_
- All banking charges under this credit are for the ac-  
count of importer/suppliers.

Yours faithfully,

(a commercial bank)

By : \_\_\_\_\_

(Authorised Signature)

## PAYMENT TERMS

This payment terms constitutes an integral part of our Letter of Credit No. \_\_\_\_\_.

## I. Initial Payment

Amount : \_\_\_\_\_  
being \_\_\_\_\_ % of the total contract price.

Required documents :

Latest presentation date :

## II. Intermediate Payment (if any)

Amount \_\_\_\_\_  
being \_\_\_\_\_ % of the total contract price.

Required documents :

Latest presentation date :

## III. Payment against Shipping Documents

Amount \_\_\_\_\_  
being \_\_\_\_\_ % of the total contract price.

Note.—This attached sheet is not required in case of full payment against shipping documents.

## ANNEXURE V

## Form OECF-LC II

Irrevocable Letter of Credit  
(Applicable for Services)

Date :

To \_\_\_\_\_

(Name and address of the Supplier)

This Letter of Credit has been issued pursuant to Loan Agreement No. \_\_\_\_\_ dated \_\_\_\_\_ between (Borrower) and the OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. \_\_\_\_\_ in your favour for account of for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of Y \_\_\_\_\_ (Say Yen \_\_\_\_\_) available by beneficiary's drafts at sight for full Statement value drawn on us.

To be accompanied by the required documents, in accordance with the Payment Schedule attached hereto, concerning (Contract No. \_\_\_\_\_ with regard to \_\_\_\_\_ Project). Drafts must be presented for negotiation not later than.

All drafts and documents must be marked "Drawn under irrevocable credit No. \_\_\_\_\_ dated \_\_\_\_\_".

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentation and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

## Special Instructions to the negotiating bank :

1. After receipt of the original Statement of Performance issued by (Borrower or its designated authority) in accordance with the form attached hereto, payment(s) under this credit must be made in accordance with the payment schedule stipulated in the sheet attached hereto. In case of the initial payments, the beneficiary's statement is required instead of the above-mentioned Statement of Performance.

2. After obtaining the reimbursement for our payment from the OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND

IN ACCORDANCE with the provisions of the Letter of commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with the instructions issued by the negotiating bank.

3. A copy of the document as mentioned in item 1 above and the drafts shall be sent to us immediately after the receipt thereof.

4. All banking charges under this credit are for the account of the imports suppliers.

Yours faithfully,

(a commercial bank)

By \_\_\_\_\_  
(Authorized Signature).

## PAYMENT SCHEDULE

This payment schedule constitutes an integral part of our Letter of Credit No. \_\_\_\_\_.

## I. Initial payment

Amount Yen \_\_\_\_\_

being \_\_\_\_\_ % of the total contract price.

Required documents : beneficiary's Statement.  
Latest Presentation date :

## II. Progress Payment

Aggregate amount : Yen \_\_\_\_\_

being \_\_\_\_\_ % of the total contract price to be as follows :

Amount due	Latest presentation date
1st Instalment Yen _____ Yen _____	_____

Required document : a copy of Statement of Performance issued by (Borrower or its designated authority), a form of which is attached hereto.

## Statement of Performance

Date :

Ref No. \_\_\_\_\_

To \_\_\_\_\_

(Name and address of the Supplier)

Re : Letter of Credit No. \_\_\_\_\_ dated \_\_\_\_\_  
issued by \_\_\_\_\_ for Yen \_\_\_\_\_  
in favour of \_\_\_\_\_  
concerning \_\_\_\_\_ Project under Loan  
Agreement No. \_\_\_\_\_.

I, the undersigned, representing (Borrower), hereby issue a Statement of Performance to entitle \_\_\_\_\_ to receive the sum of Yen \_\_\_\_\_ (Yen \_\_\_\_\_ only) from the Overseas Economic Cooperation Fund in accordance with the Payment Terms stipulated in the Contract No. \_\_\_\_\_, dated \_\_\_\_\_, between \_\_\_\_\_ and \_\_\_\_\_

(Borrower)

By \_\_\_\_\_

(Authorized Signature)

## Special Instructions :

The details of the actual performance shall be stated in the sheet attached hereto.